शुक्रवार, 22 फरवरी, 2008 मूल्य 3.50, धनबाद, वर्ष 8, अंक 52 ,16 पेज के साथ 4 पेज रीमिक्स सिटी

हिन्दुस्तान

गिरिडीह

कैलिफोर्निया के सितारवादक ने मनमोहा

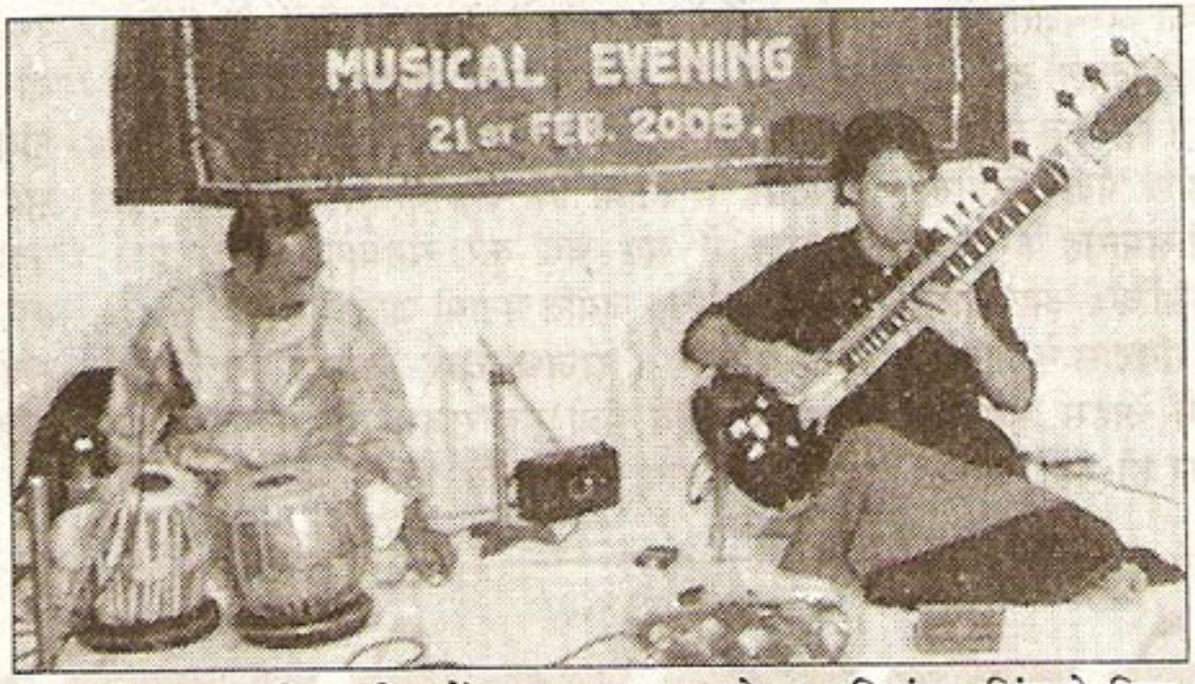

गिरिडीह (गिरिडीह कार्यालय)। संगीत साधना केन्द्र गिरिडीह द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कैलिफोर्निया(अमेरिका) से आए कलाकार पोल जेड लिविंग स्टोन ने सितार पर अपनी कला का जलवा बिखेरा। वे गुरूवार की रात्रि शहर के मानसरोवर होटल में आयोजित शास्त्रीय संगीत समारोह में अपने कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे थे। उनके साथ तबले पर संगत पंडित गुदई महाराज के शिष्य शशांक बक्शी कर रहे थे। इसी क्रम में उन्होंने सितार पर कई तरह के धुन प्रस्तुत किए। हिन्दी भाषा का ज्ञान नहीं होने के कारण भी पोज ने हिन्दी धुनों पर कई प्रस्तुति पेश की। इस प्रस्तुति का गिरिडीह के उपस्थित श्रोताओं ने काफी लुत्फ उठाया। इसके पहले संगीत साधना केन्द्र द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मंच संचालन अधिवक्ता आनन्द मोहन ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत में सुनील केडिया ने संगीत पेश किया। इसमें उनका साथ बतले पर रवि शंकर सिंह ने दिया। इसके बाद पं. शंभुदयाल केडिया ने हारमोनियम पर वादन प्रस्तुत किया जिसमें उनका साथ तबले पर रविशंकर सिंह ने दिया। इसके बाद बारी आई मि. पाल की जिन्होंने सबसे पले राग पुरिया कल्याण पेश किया। इसमें उनका साथ तबले पर पं. शशांक बक्शी ने दिया। इस अवसर पर वहां मुख्य रूप से दामोदर शर्मा, सरदार नरेन्द्र सिंह, मोरमुकुट केडिया, आनन्द मोहन प्रसाद, अधिवक्ता, आलोक प्रभाकर गुड्डू, केशव प्रसाद सिंह, दयाशंकर सिंह समेत कई लोग उपस्थित थे।

झारखंड का सर्वाधिक प्रसारित दैनिक

प्रभात खबर

ई-पेपर • www.epaper.prabhatkhabar.com   इंटरनेट संस्करण • www.prabhatkhabar.com

अखबार नहीं आंदोलन

अभिमत ▼ पूर्वोत्तर में आतंक और बांग्लादेश

▼ देश विदेश लेखकों ने की तसलीमा का मु

नबाद, 22 फरवरी, 2008 (फाल्गुन कृष्ण प्रतिपदा संवत 2064) • शुक्रवार • धनबाद, रांची, पटना, जमशेदपुर, कोलकाता, देवघर और सिलीगुड़ी से एक साथ प्रकाशित • पृष्ठ : 16 (साथ में सुरभि भी)

संगीत साधना केंद्र का क्लासिकल म्युजिक कार्यक्रम

देशी कलाकारों के साथ विदेशियों ने भी बांधा समां

गिरिडीह : संगीत साधना केंद्र के तत्वावधान में स्थानीय मानसरोवर होटल में क्लासिकल म्युजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें कई देशी कलाकारों के अलावे विदेशी कलाकारों ने भी हिस्सा लिया. कार्यक्रम की शुरूआत पंडित शंभु दयाल केडिया के सुपुत्र आकाशवाणी के कलाकार सुनील केडिया के गायन से शुरू हुई.

तत्पश्चात उसने गुरु वंदना भजन से शुरू की. उनके गाये गये भजन बस गये नयनन माही बिहारी... को लोगों ने खूब सराहा. उसके बाद पंडित शंभुदयाल केडिया ने हारमोनियम पर शहनाई अंग से बजाकर उस्ताद बिस्मिल्लाह खान की याद दिला दी. उन्हें हारमोनियम के उपर अपनी जादुई अंगुलियों से शानदार धुन निकाला. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अमेरिका के केलिफोर्निया के सितारवादक पोल जेड लिविंग स्टोन ने कार्यक्रम में संमा बांध दिया. उनके सितारवादक के धुन को लोगों ने तालियां बजाकर स्वागत किया. तबला पर कोलकाता के महान तबला वादक पंडित शशांक बक्सी व गुरु विरेंद्र नारायण सिंह के पुत्र रविशंकर थे.

कार्यक्रम के दौरान बीच-बीच में उपस्थित श्रोताओं ने कलाकारों की हौसला आफजाई कर रहे थे. इसके पूर्व कलाकारों को बूके देकर सम्मानित किया गया. इस मौके पर डॉ एस संयाल, मिसेज संयाल, आलोक प्रभाकर, आनंद मोहन प्रसाद, दामोदर जी, वासुदेव सिन्हा, सच्ची साहा, रवींद्र सिंह, दुलाल दा, रतन सिन्हा, सुबोध चोपड़ा, मोरमुकूट केडिया, मनोज केडिया, केशव प्रसाद के अलावे शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार

प्रकाशन का 45वां वर्ष

रांची एक्सप्रेस

ess.com रांची, 22 फरवरी 2008 पृष्ठ :

र जासूसी उपग्रह बना
ो मिसाइल का निशाना

शुक्रवार

आईपीएल क्रिकेट की
युगांतकारी घटना :

भारतीय संगीत ईश्वर से रूबरू कराता है : पोल लिविंग स्टोन

सरोदवादक पोल लिविंग स्टोन। छाया : पिंटू

गिरिडीह, 21 फरवरी (कमल नयन) : संयुक्त राज्य अमेरिका के सरोज वादक पोल लिविंग स्टोन ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत एक ऐसा माध्यम है, जिसकी साधना में ईश्वर से रूबरू होने की अनुमति होती है। हालांकि संगीत चाहे पाश्चात्य हो या भारतीय यह एक ऐसा साधन है जो सुनने वाले और सुनाने वाले दोनों को आत्मिक शांति प्रधान कराता है। लोगों के दिलों में अपनी विशेष जगह बनाता है। इन दिनो श्री पोल मंच प्रस्तुति करने कोलकाता आए हैं। इसी क्रम में संगीत साधना केन्द्र के नियंत्रण पर गुरूवार को गिरिडीह पहुंचे। इस दौरान इस संवाददाता से बातचीत में उन्होंने कहा कि अमेरिका के विभिन्न शहरों में उन्होंने कई बार कार्यक्रम किये हैं। लेकिन भारत में मंच पर संगीत प्रस्तुत करना उनके लिए अद्भुत उपलब्धि है। 36 वर्षीय पोल महान संगीतज्ञ पंडित रविशंकर के शिष्य हैं और पिछले 21 वर्षों से हिन्दुस्तानी संगीत से जुड़े हैं। शास्त्रीय संगीत में उन्होंने एम.ए. की डिग्री हासिल की है। और अमेरिका के लास एंजिल्स सामदायिक स्कूल में भारतीय संगीत की शिक्षा दे रहे हैं।

विगत एक माह में कोलकाता में अभिजीत बनर्जी पार्थ सारथी शंसाक बक्सी सहित देश को जाने माने कलाकारों के साथ मंच पर कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे हैं। गिरिडीह में भी संगीत साधना केन्द्र के तत्वावधान में महान तबलावादक पंडित शंभु दयाल केडिया के निमंत्रण पर गुरूवार को मंच पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने पहुंचे हैं।

दैनिक जागरण

वर्ष 6 अंक 10
पृष्ठ 16
धनबाद, शुक्रवार
22 फरवरी, 2008
नगर संस्करण **
मूल्य 3.50 रुपये

दैनिक ज

लिविंगस्टोन के सितार के जादू ने बांध दिया गिरिडीह को

गिरिडीह, संवाद संसू : गोरी चमड़ी में हिंदुस्तानी संगीत की आत्मा का वास! सितार पर शास्त्रीय संगीत की धुन छेड़ती उंगलियां मानो जादूगर की करतब दिखा रही हों। संगीत के वशीकरण की यह आभा अमेरिकी सीतारवादक व संगीतकार पाल जेड लिविंगस्टोन की है। गुरुवार को स्थानीय मानसरोवर होटल में आयोजित संगीत संध्या के दौरान इस पश्चिमी सितारवादक ने अपनी जादुई कला से श्रोताओं को विभोर कर रखा था। मौका था संगीत साधना केन्द्र गिरिडीह के तत्वावधान में आयोजित संगीत संध्या का।

श्री लिविंगस्टोन की भारतीय तबला वादक पं. शशांक बक्सी के साथ जुगलबंदी ने सबको मंत्रमुग्ध कर रखा था। गुरुवार को शाम स्थानीय मानसरोवर होटल में संगीत साधना केन्द्र के तत्वावधान में आयोजित संगीत संध्या कार्यक्रम में मशहूर अमेरिकी सितार वादक पौल जेड लिविंगस्टोन ने अपने सांगीतिक कौशल से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में कोलकाता के प्रसिद्ध तबला वादक पंडित शशांक बक्सी ने भी अपने जादू से लोगों को भावविभोर कर दिया। इसके पूर्व सुनील केडिया (मिट्ठू)ने अपने भजन गायन एवं पंडित शंभू दयाल केडिया के हारमोनियम वादन ने माहौल को तालियों से इस ठंड में भी उष्णता पैदा कर दी। इस कार्यक्रम में राग पुरिया कल्याण ने दिया।

सितार वादन करते लिविंगस्टोन जागरण

SANGEET SADHANA KENDRA, GIRIDIH
PRESENTS
MUSICAL EVENING
21 ST FEB. 200